कबीरा लिररक्स

कबीरा लिररक्स
कबीरा जब हम पैदा हुए
जग हसा हम रोये
कुछ ऐसी करनी कर चले
हम हंसे जग रोये
माटी का मैं ह ंबंदा
ना कोई सोना ना कोई हीरा
रे कबीरा.....

झ ठी है दुननया सारी
झ ठा ये सरीरा
रे कबीरा.....

हर कोई आँखें सबलो बुरा
हर कोई आँखें सबलो बुरा
खुद केअंदर ना धेका
माटी का मैं ह ंबंदा
ना कोई सोना ना कोई हीरा
रे कबीरा.....

रोज लडे त माया केखानतर
करता क्यों गलत काम
अंत समय पछताएगा फिर त
याद आएंगे राम
धन दौलत और माल खजाना
आएंगे ना तेरे काम
तेरे अपने ही जलाएंगे तुझको और
चोर आएंगे समशान
माटी का मैं ह ँबंदा
ना कोई सोना ना कोई हीरा
रे कबीरा.....

झ ठी है दुननया सारी
झ ठा ये शरीरा
रे कबीरा.....

Kabira Lyrics

Kabira Jab Hum Paida Hue
Jag Hasa Hum Roye
Kuch Aisi Karni Kar Chale
Hum Hase Jag Roye

Maati Ka Main Hu Banda
Na Koi Sona Na Koi Heera
Re Kabira.....

Jhooti Hai Duniya Saari
Jhoota Ye Sarira
Re Kabira.....

Har Koi Ankhein Sablo Bura
Har Koi Ankhein Sablo Bura
Khud Ke Andar Na Dheka

Maati Ka Main Hu Banda
Na Koi Sona Na Koi Heera
Re Kabira.....

Roj Larey Tu Maya Ke Khatir
Karta Kyu Galat Kaam
Anth Samai Pachtyega Fir Tu
Yaad Ayenge Ram
Dhan Dolat Or Maal Khazana
Ayenge Na Tere Kaam
Tere Apne He Jalaynege Tujko Or
Chor Aayenge Samshan

Maati Ka Main Hu Banda
Na Koi Sona Na Koi Heera
Re Kabira.....

Jhooti Hai Duniya Saari
Jhoota Ye Sarira
Re Kabira.....